# Look N Learn
## Children's Jain E-book

**Serial No. 61**

**The knowledge of
32 Aagams
in your phone**

To subscribe please Watts app - Jai Jinendra on +91 8104461579

**Inspired by Rashtrasant Param Gurudev Shree Namramuni Maharaj Saheb**

# Why is Nityakram necessary ?

## सोचो आपके पास क्या है?

जिसके पास परमात्मा को याद करने का समय होता है, उसके पास कीसी की शीकायत करने के लिए समय नहीं होता! और... जिसके पास कीसी की शीकायत करने के लिए समय होता है, उसके पास परमात्मा को याद करने का समय नहीं होता!

## Think what you have?

Those who find time to remember the Parmatma have no time to complain about others, and those who complain about others have no time to remember Parmatma!

नित्यक्रम का पालन करके हम संसार में रहकर भी अपने आस पास परमात्मा की उपस्थिति को महसूस कर सकत है। तो चलो हम नित्यक्रम द्वारा परमात्मा को अपने भीतर अनुभव करे।

By following Nityakram, inspite of being in sansar, one can remain and feel the presence of Parmatma near him. So, with the help of Nityakram, let's experience the presence of Parmatma within us.

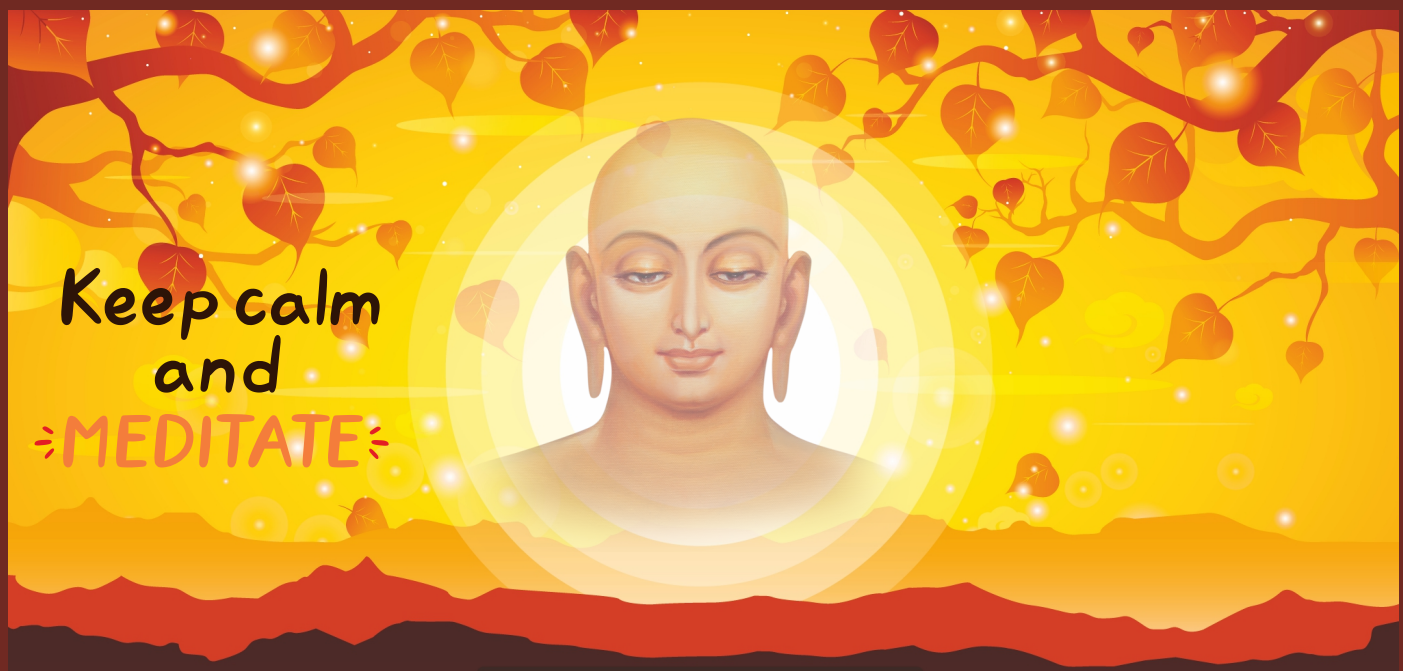


## Daily prayer to Parmatma

## प्रभु को दो हाथ जोड के नित्य प्रार्थना

हे प्रभु! मुझे सदैव आपका बालक बने रहने का वरदान दे! मेरे अंदर के क्रोध को शांत करके करुणा भाव को बढ़ाते हुए प्रभु आपसे प्रार्थना है की... हे प्रभु! संसार में शरीर की उम्र के साथ साथ मेरे अहम की, क्रोध की, ईष्या की, धमंड की, मेरे संबंधों की उम्र ना बढे! मेरी समझ और मेरा अहम मेरे अवगुणों का निमित ना बने, हे प्रभु! मेरे अहम को शून्य करने की आपसे प्रार्थना, विनंती कर रहा हु।

Hey Prabhu! bless me to always be your child! By calming my anger and increasing my compassion, I pray to you... Hey Prabhu! As I grow every single day, I pray to you that my ego, anger, my jealosy, pride and the worldly relationships doesnt grow! My wit and ego should not be the reason for my vices. Hey Prabhu! as I grow old everyday, I pray to you that my ego, anger, jealousy, pride and the wordly relationships do not grow. Hey Prabhu! bless me to always be your child!

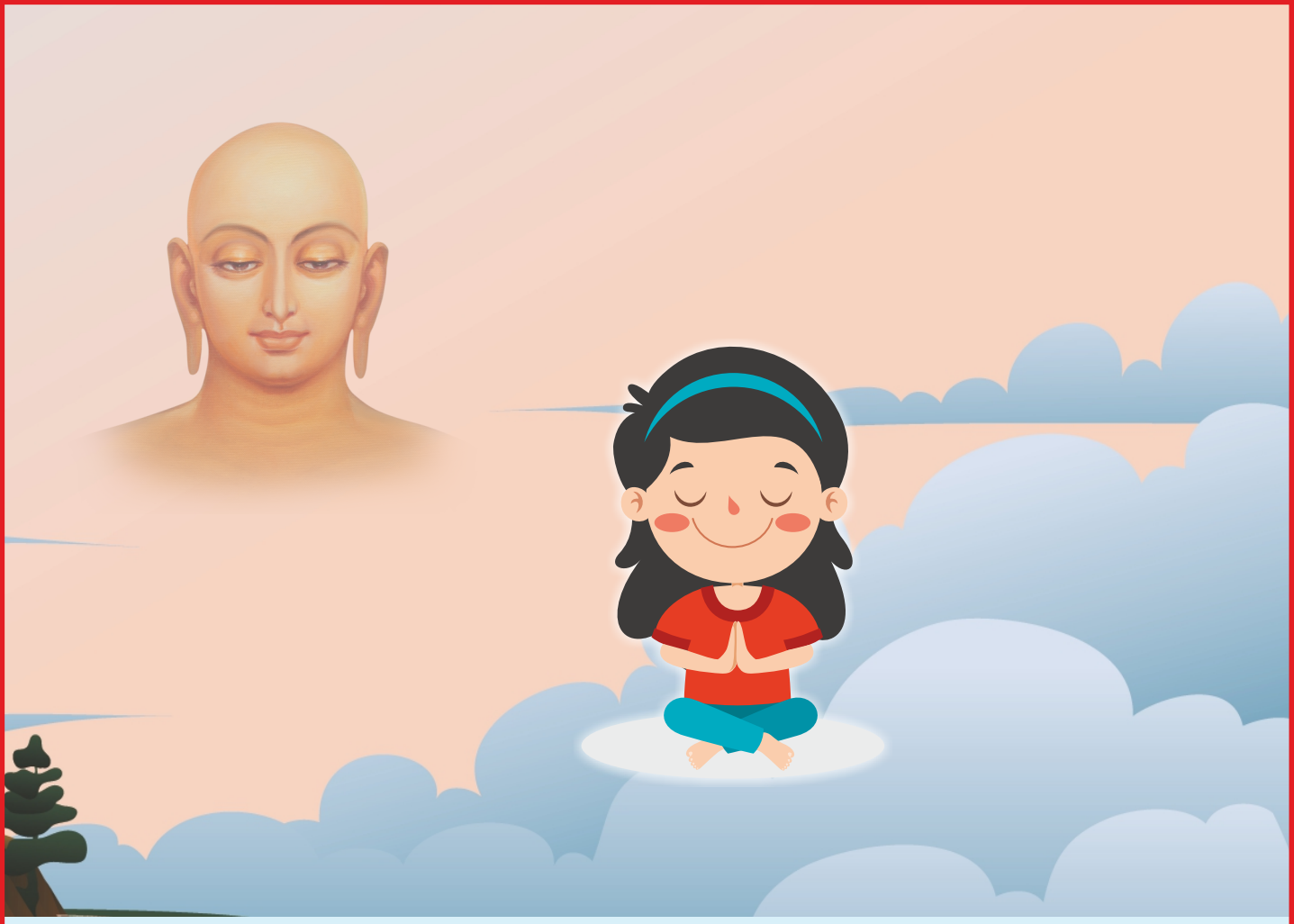

हे प्रभु! शरीर की उम्र कम करना मुमकिन नहीं, लेकिन मेरे अवगुणों की उम्र कम कर दो, हे प्रभु! मुझे सदैव आपका बालक बने रहने का वरदान दे... जिससे बालक जैसी सरलता और निर्दोषता मेरे में आ जाए। हे प्रभु! मेरे अवगुण कम होने से मेरी शुद्धि होगी, है प्रभु मुझे सदैव आपका बालक बने रहने का वरदान दे दो।

Hey Prabhu! I understand it is not possible to reduce my age and become a child again and again but may the life of my vices always reduce. Hey Prabhu! bless me so that I can develop the simplicity and innocence like a child! Hey Prabhu! lead me to purification, bless me to always be your child!